

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman



भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs
31st March, 2025

DO No. 13/News Letter/CH(IC)/2025

Dear *Colleague*,

Revenue collection and good governance are two sides of the same coin; honest efforts lead to collection, and transparency builds trust.

As we conclude the financial year today, I would like to commend the relentless efforts of our field formations in augmenting revenue throughout the year. The past few weeks have witnessed concerted and proactive measures to ensure a positive revenue outcome in March, reflecting our collective commitment to meeting our goals. The gross collection figures, which will be available tomorrow, are expected to mirror the hard work and dedication demonstrated by all officers involved.

I am sure you are aware that today is also the last day to make payment and avail of the amnesty under Section 128A of the CGST Act, 2017. Last week, the Board also issued a Circular No. 248/05/2025-GST dated 27th March, 2025 to clarify various issues related to availment of benefit of Section 128A. The field formations may proactively support taxpayers wherever required, as availing this benefit will help reduce litigation – a win-win situation for both the taxpayers and the department.

NACIN has recently signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Maritime University (IMU) at IMU HQ, Chennai. This collaboration brings together IMU's academic and technical expertise with NACIN's proficiency in enforcement training to establish a state-of-the-art Marine Customs Training Centre at Palasamudram. The Centre is equipped with advanced simulators and field training modules, and this strategic partnership will foster inter-agency collaboration, support a tech-integrated curriculum (including drone surveillance), and deliver cutting-edge maritime enforcement training of international standards.

Today, we bid farewell to two of our esteemed colleagues, Ms. Seema Arora and Sh. Gaigongdin Panmei, both from the 1989 batch, who are superannuating after distinguished and dedicated service to the department. As they embark on a new chapter of life, we extend our heartfelt wishes for their future endeavors and hope they continue to enjoy good health and happiness in the times to come. Their presence will be missed, but their legacy will always remain with us.

Greetings on Eid-ul-Fitr!

Yours sincerely,


(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman



भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs
31 मार्च, 2024

DO No. 13/News Letter/CH(IC)/2025

प्रिय सहकर्मी,

राजस्व संग्रह और सुशासन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं; ईमानदार प्रयास संग्रह की ओर ले जाते हैं, और पारदर्शिता विश्वास बनाती है।

चूंकि आज हम वित्तीय वर्ष का समापन कर रहे हैं, मैं पूरे वर्ष राजस्व बढ़ाने में हमारे क्षेत्रीय संरचनाओं के अथक प्रयासों की सराहना करना चाहता हूं। पिछले कुछ हफ्तों में मार्च में सकारात्मक राजस्व परिणाम सुनिश्चित करने के लिए ठोस और सक्रिय उपाय किए गए हैं, जो हमारे लक्ष्यों को पूरा करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सकल संग्रह के आंकड़े, जो कल उपलब्ध होंगे, उससे सभी अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रतिबिंबित करने की उम्मीद है।

मुझे यकीन है कि आप जानते होंगे कि आज सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 128ए के तहत भुगतान करने और माफी का लाभ उठाने का भी अंतिम दिन है। पिछले हफ्ते, बोर्ड ने धारा 128ए के लाभ उठाने से संबंधित विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए 27 मार्च, 2025 की तारीख का सर्कुलर संख्या 248/05/2025-GST भी जारी किया। क्षेत्रीय संरचनाएं आवश्यकतानुसार करदाताओं को सक्रिय रूप से समर्थन करें, क्योंकि इसका लाभ उठाने से मुकदमेबाजी (लिटिगेशन) को कम करने में मदद मिलेगी - जो करदाताओं और विभाग दोनों के लिए फायदे की स्थिति है।

एनएसीआईएन ने हाल ही में चेन्नई में आईएमयू मुख्यालय (IMU HQ) में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग प्रवर्तन प्रशिक्षण में NACIN की दक्षता के साथ आईएमयू की शैक्षणिक और तकनीकी विशेषज्ञता को एक साथ लाता है ताकि पालसमुद्रम में एक अत्याधुनिक समुद्री सीमा शुल्क प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जा सके। यह केंद्र उन्नत सिमुलेटर और फील्ड प्रशिक्षण मॉड्यूल से लैस है, और यह रणनीतिक साझेदारी अंतर-एजेंसी सहयोग को बढ़ावा देगी, तकनीकी-एकीकृत पाठ्यक्रम (जिसमें ड्रोन निगरानी शामिल है) का समर्थन करेगी, और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अत्याधुनिक समुद्री प्रवर्तन प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

आज, हम अपने दो सम्मानित सहयोगियों, सुश्री सीमा अरोड़ा और श्री गैगोंगडिन पेनमै, दोनों 1989 बैच के अधिकारी, को विदाई दे रहे हैं, जो विभाग में विशिष्ट और समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जैसे ही वे जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत करते हैं, हम उनके भविष्य के प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं और आशा करते हैं कि वे आने वाले समय में अच्छे स्वास्थ्य और खुशी का आनंद लेते रहेंगे। उनकी उपस्थिति खलेगी, लेकिन उनकी विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी।

ईद-उल-फितर की शुभकामनाएँ!

भवदीय,



(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण।